ट्युबरक्युलोसिस: फर्क जानिये

लेटन्ट टीबी इन्फेक्शन - अप्रकट टीबी संक्रमण (एलटीबीआई)	टीबी रोग

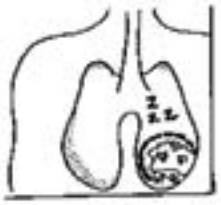

टीबी के जीवाणु सोये हुए (सुषुप्त) हैं

आप के शरीर में जीवाणु तो हैं, परन्तु आप के शरीर ने उन को रोक रखा है ताकि वे कोई नुकसान न कर सकें।

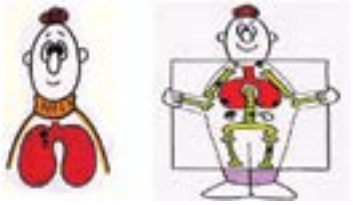

टीबी के जीवाणु नुकसान कर रहे हैं

टीबी के जीवाणु बहुत ज़्यादा बढ रहे हैं और नुकसान कर रहे हैं। वैसे टीबी रोग फेफड़ों में होता है, पर वह दूसरे अंगों के उपर भी असर कर सकता है।

सकारात्मक (पोज़िटिव) त्वचा-परीक्षण

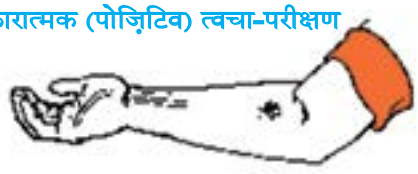

आप का त्वचा-परीक्षण स्पष्ट (पोज़िटिव) निकला है, परन्तु आप की छाती का एक्स रे बताता है कि आप को टीबी रोग नहीं है। आप को भविष्य में टीबी रोग हो सकता है।

लक्षण

आप बीमार हैं. लक्षणों में:

- कमज़ोरी, बुखार, वजन का कम होना
- खाँसी, छाती में दर्द
- खाँसी में खून का निकलना (यदि टीबी फेफड़ों में हो तो)
- दर्द (यदि टीबी शरीर के अन्य अंगों में हो तो)

संक्रामक?

नही

आप संक्रामक नहीं हैं और आप बीमार भी नहीं हैं।

हां

यदि टीबी के जीवाणु आप के फेफड़ों में हों तो आप संक्रामक हैं।

इलाज है

टीबी रोग की रोकथाम

टीबी की छूत का इलाज ६ से ले कर १२ महीने तक दवा लेने से हो सकता है। यह उपचार टीबी रोग को बढने से रोकेगा।

इलाज है

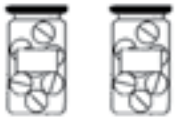

फैलाव की रोकथाम और मुक्ति

टीबी रोग का उपचार है और उस से मुक्ति भी मिल सकती है यदि आप अपनी सभी दवायें लें। शुरु से ही उपचार जारी कर देने से टीबी को दूसरों में फैलने से रोका जा सकता है।

आल्बर्टा हेल्थ की रज़ामन्दी से एगहेड आर्टवर्क का उपयोग किया गया।